भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1763
उत्तर दिनांक 29/07/2026 को दिया गया

टाटा स्मारक अस्पताल

1763. श्री राजेश वर्मा
श्रीमती शांभवी
डॉ. लता वानखेड़े

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार ने किफायती कैंसर उपचार अस्पतालों के अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए आम नागरिकों तक विश्वस्तरीय कैंसर उपचार सुविधाएं पहुंचाने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है;

(ख) यदि हाँ, तो वर्ष 2025-26 के दौरान निर्धन ग्रामीण रोगियों की सहायता के लिए प्रारंभ की गई टाटा स्मारक अस्पताल की नई शाखाओं तथा संबद्ध कैंसर संस्थानों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) इन केंद्रीय संस्थानों में अत्यधिक रियायती अथवा पूर्णतः निःशुल्क विकिरण चिकित्सा तथा नैदानिक सेवाओं का लाभ प्राप्त करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों की कुल संख्या सहित ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उन्नत रेडियो-फार्मास्यूटिकल्स के स्वदेशी विकास से मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए कैंसर के निदान और उपचार की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) समाज के सर्वाधिक कमजोर परिवारों को निःशुल्क (शून्य-व्यय) स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए इन विशिष्ट परमाणु ऊर्जा चिकित्सा केंद्रों का आयुष्मान भारत योजना के साथ समेकित करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) है जिसका अधिदेश उत्कृष्ट सेवा, शिक्षा और अनुसंधान के अपने आदर्श वाक्य के माध्यम से सभी को व्यापक कैंसर देखभाल उपलब्ध कराना है। टीएमसी देश में एक प्रमुख कैंसर केंद्र होने के नाते, कैंसर देखभाल के लिए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय नीति और रणनीति के मार्गदर्शन हेतु नेतृत्व प्रदान करता है।

टीएमसी ने किफायती कैंसर देखभाल अस्पतालों के अपने नेटवर्क का विस्तार किया है, जिससे आम आदमी के लिए विश्वस्तरीय ऑन्कोलॉजिकल उपचार उपलब्ध हो रहा है जो निम्नानुसार है :

क्रम सं.	अस्पताल का नाम	शहर, राज्य
1	टाटा स्मारक अस्पताल	मुंबई, महाराष्ट्र
2	कैंसर में उपचार, अनुसंधान और शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक)	नवी मुंबई, महाराष्ट्र
3	वाराणसी में महामना पं. मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी)	वाराणसी, उत्तर प्रदेश
	होमी भाभा कैंसर अस्पताल	वाराणसी, उत्तर प्रदेश
4	होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र	विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
5	होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र	नया चंडीगढ़, पंजाब
	होमी भाभा कैंसर अस्पताल	संगरूर, पंजाब
6	डा. बी. बरुआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई)	गुवाहाटी, असम
7	होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र	मुजफ्फरपुर, बिहार
8	प्लैटिनम जुबली ब्लॉक	मुंबई, महाराष्ट्र
9	कैंसर में उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए एकीकृत केंद्र (आईसीटीआरईसी)	खोपोली, रायगढ़, महाराष्ट्र
10	होमी भाभा कैंसर अस्पताल	भुवनेश्वर, ओडिशा

(ख) ऊपर सूचीबद्ध 11 टीएमसी अस्पतालों में से, 2 नए अस्पताल, अर्थात् एचबीसीएच, संगरूर (पंजाब) और एचबीसीएच एंड आरसी, मुजफ्फरपुर (बिहार) पूर्णतया कार्यरत हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। एचबीसीएच एंड आरसी, मुजफ्फरपुर (बिहार) का उद्घाटन वर्ष 2025 में किया गया।

(ग) टीएमसी अस्पतालों में कैंसर उपचार से लाभान्वित आर्थिक रूप से वंचित नागरिकों की संख्या के संदर्भ में आंकड़े निम्नानुसार हैं:

क्रम सं.	अस्पताल का नाम	रेडियोथेरेपी (रोगियों की संख्या)	प्रयोगशाला जांच	रेडियोलॉजी	नाभिकीय चिकित्सा
1	टाटा स्मारक अस्पताल	5242	232897	89898	13513
2	कैंसर में उपचार, अनुसंधान और शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक)	1550	1904113	77578	1873
3	होमी भाभा कैंसर अस्पताल और महामना पं. मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी), वाराणसी	3302	835235	95673	11934
4	होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, पंजाब	3089	1134573	56778	6212
5	होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, विशाखापट्टनम	1587	8683	15789	1808
6	होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर	1044	161069	4504	--
7	डा. बी. बरुआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई)	1916	92797	39709	3962

(घ) हां। ध्रुवा रिएक्टर, बीएआरसी में उत्पन्न ल्यूटेशियम-177 (Lu-177), यिट्रियम-90 (Y-90) और रूथेनियम-106 (Ru-106) जैसे रेडियोआइसोटोप पर आधारित चिकित्सीय रेडियोफार्मास्युटिकल्स और ब्रेकीथेरेपी स्रोतों के स्वदेशी विकास ने भारत में किफायती कैंसर उपचार की दिशा में पर्याप्त सुधार किया है। ये उत्पाद उनके समान आयातित उत्पादों की तुलना में काफी कम कीमतों पर उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिए, न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर और प्रोस्टेट कैंसर के उपचार के लिए 177Lu-डीओटीएटीएटीई और 177Lu-पीएसएमए-617 जैसे Lu-177 रेडियोफार्मास्युटिकल्स को समतुल्य आयातित उत्पादों की लागत के लगभग आधे से एक तिहाई पर उपलब्ध कराया जाता है। इसी तरह, यकृत कैंसर चिकित्सा के लिए उपयोग किए जाने वाले यिट्रियम-90 ग्लास माइक्रोस्फीयर, तुलनात्मक अंतरराष्ट्रीय उत्पादों की कीमत के लगभग एक-छठवे हिस्से की कीमत पर उपलब्ध हैं, जबकि नेत्र कैंसर के उपचार के लिए रूथेनियम-106 पट्टिकाओं की लागत आयातित विकल्पों के एक-चौथाई से भी कम है। इसके अलावा, विभाग द्वारा निर्मित और आपूर्ति किए गए नैदानिक और चिकित्सीय रेडियोआइसोटोप-आधारित उत्पाद जिनमें Mo-99/Tc-99m जनरेटर, Tc-99m कोल्ड किट और आई-131 रेडियोफार्मास्युटिकल्स शामिल हैं, देश में किफायती नाभिकीय चिकित्सा उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए बाजार की कीमतों को विनियमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(ङ) टीएमसी ने अपनी सभी संघटक इकाइयों को आयुष्मान भारत योजना और संबंधित राज्य स्वास्थ्य योजनाओं के साथ एकीकृत किया है।

*****